ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं : संजय

नई दिल्ली, 05 अगस्त. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई दर 5 प्रतिशत रहने का अनुमान जारी किया है. गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति के फैसलों का ऐलान करते हुए कहा कि वैश्विक अस्थिरता के कारण छोटी अवधि में महंगाई में बढ़ोतरी हो सकती है.

लगातार 16 महीनों तक आरबीआई के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे रहने के बाद जून में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई. पहली तिमाही में महंगाई आरबीआई के पहले के अनुमान से 30 आधार अंक कम रही, जिससे इनपुट लागत दबाव का असर सीमित रहा. खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद कोर महंगाई (खाद्य और ईंधन को छोड़कर) मई और जून में 3.9 प्रतिशत पर स्थिर रही. कीमती धातुओं को छोड़कर कोर महंगाई और भी कम 2.3-2.5 प्रतिशत रही, जो मांग-पक्ष से महंगाई दबाव कम होने का संकेत देता है. आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है. इसे घरेलू मांग, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर की अच्छी गतिविधि, मजबूत निवेश रुझान और निर्यात का सहारा मिल रहा है. हालांकि महंगाई अनुमान पर जोखिम बने हुए हैं. इनमें अल-नीनो का बारिश पर असर, वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक घटनाक्रम शामिल हैं. गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली बनी हुई है, हालांकि कुछ क्षेत्रों में शुरुआती दबाव के संकेत दिखाई दे रहे हैं.

तिमाही-वार अनुमान

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2027 के लिए खुदरा महंगाई 5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है :

- दूसरी तिमाही : 4 .7 प्रतिशत
- तीसरी तिमाही : 5 .9 प्रतिशत
- चौथी तिमाही :5 .5 प्रतिशत

वित्त वर्ष 2028 की पहली तिमाही के लिए अनुमान 5 .3 प्रतिशत है.

घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत बनी

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने बुधवार को प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 5 .25 प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया. आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि अमेरिका द्वारा नए शुल्क (टैरिफ) लगाए जाने से वैश्विक व्यापार अनिश्चितताएं बनी हुई हैं. वहीं, पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता देखने को मिल रही है. अर्थशास्त्रियों ने पहले ही अनुमान जताया था कि छह सदस्यीय एमपीसी इस बार भी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगी और तटस्थ नीति रुख बनाए रखेगी. हाल के महीनों में महंगाई दर में कुछ बढ़ोतरी हुई है, लेकिन यह अभी निर्धारित सहनशीलता दायरे के भीतर बनी हुई है. कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, रुपये की विनिमय दर में उतार-चढ़ाव और पश्चिम एशिया की स्थिति केंद्रीय बैंक के लिए प्रमुख चिंता के विषय बने हुए हैं. इसके साथ ही घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है. बेहतर आर्थिक गतिविधियां, अनुकूल मानसून और विदेशी पूंजी निवेश में मजबूती से विकास को समर्थन मिल रहा है.

आया धूत ट्रांसमिशन का आईपीओ

मूल्य दायरा रू. 829 से 871 प्रति शेयर

मुंबई, नवभारत कनेक्ट. एकीकृत इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स की वैश्विक निर्माता कंपनी धूत ट्रांसमिशन लिमिटेड का 3067 करोड़ रुपये का सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार 10 अगस्त को खुलेगा और बुधवार 12 अगस्त को बंद होगा.

तीन दशक पुरानी इस अग्रणी कंपनी के आईपीओ में दो रुपये फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयरों का मूल्य दायरा 829 से 871 रुपये प्रति शेयर रखा गया है. इस आईपीओ में 1.61 करोड़ इक्विटी शेयरों का 1400 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू तथा प्रमोटर शेयरधारक बीसी एशिया इन्वेस्टमेंट और मंगलम कैपिटल द्वारा 1.91 करोड़ शेयरों की ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है. आईपीओ में लॉट साइज 17 शेयरों की रहेगी. कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई में 17 अगस्त को लिस्ट होने की उम्मीद है. मुंबई में आईपीओ की घोषणा के मौके पर धूत ट्रांसमिशन के प्रबंध निदेशक राहुल धूत, सीईओ नवीन कुमार, सीएफओ नितिन कुमार कालानी तथा मर्चेंट बैंकर एक्सिस कैपिटल व जेफरीज इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. वर्ष 1998 में स्थापित धूत ट्रांसमिशन लिमिटेड ऑटोमोटिव सहित कई उद्योग क्षेत्रों के लिए वायरिंग हार्नेस और इलेक्ट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम बनाने वाली एक प्रमुख निर्माता है. कंपनी भारत के टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर वायरिंग हार्नेस मार्केट में शीर्ष 2 कंपनियों में से एक है, जिसकी मार्केट हिस्सेदारी 41 प्रतिशत है. जबकि यह इलेक्ट्रिक टू और थ्री-व्हीलर सेगमेंट में तो 70 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ मार्केट लीडर है. कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट भारत के अलावा ब्रिटेन, स्लोवाकिया, थाइलैंड, द. कोरिया और जापान

ईवी चार्जिंग नेटवर्क के लिए 2,000 करोड़ की बड़ी सौगात

पीएम ई-ड्राइव से देशभर में बढ़ेगा ईवी चार्जिंग नेटवर्क

नई दिल्ली, 05 अगस्त. प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के तहत अखिल भारतीय स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहन सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (ईवीपीसीएस) स्थापित करने के लिए 2,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं. यह योजना पूरे देश में लागू है और इसके लिए राज्यवार अलग से धनराशि आवंटित नहीं की गई है.

22 जुलाई 2026 तक असम में कुल 42,035 इलेक्ट्रिक वाहन बिके हैं, जिनमें कछार जिले में 8,003 वाहन शामिल हैं. असम में 40,009 इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन राशि दी गई है और निर्माताओं को कुल 99.10 करोड़ रुपए का पुनर्भुगतान किया गया है. असम सहित पूरे भारत में ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए पीएम ई-ड्राइव के तहत 2,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं. हालांकि, असम ने अब तक इस योजना के तहत ईवीपीसीएस स्थापित करने के लिए कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया है. कछार जिले के लिए भारी उद्योग मंत्रालय की ओर से इस संबंध में कोई अलग मूल्यांकन भी नहीं किया गया है. भारी उद्योग मंत्रालय देशभर में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने और इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन तथा वाणिज्यिक वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू कर रहा है. इन योजनाओं में फेम इंडिया योजना चरण-द्बद्ध, पीएलआई-ऑटो, एसीसी बैटरी स्टोरेज के लिए पीएलआई, पीएम ई-ड्राइव और पीएम ई-बस सेवा-पीएसएम योजना शामिल हैं. भारत में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और उनके निर्माण को बढ़ावा देने के लिए फेम इंडिया योजना चरण-द्बद्ध को 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2024 तक पांच वर्षों के लिए लागू किया गया था. इसके लिए 11,500 करोड़ रुपए

बीमा सेवाओं की पहुँच होगी और आसान

ग्राहकों को सही जानकारी देने और उनकी सहायता करने संकल्पित

अच्छी बीमा सेवाएँ ज्यादा लोगों तक आसानी से पहुँचेंगी

भोपाल, जुलाई. उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने ग्राहकों को सामान्य बीमा की कई तरह की सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ साझेदारी की है.

इस साझेदारी के तहत टाटा एआईजी की बीमा सेवाएँ उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक की 700 से ज्यादा शाखाओं और बैंकिंग टचपॉइंट्स के जरिए देशभर में उपलब्ध होंगी. बैंक 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 300 से ज्यादा जिलों में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है और बड़ी संख्या में ग्राहकों तक पहुँच रखता है. इस साझेदारी के बाद रिटेल, एमएसएमई, व्हीकल लोन और होम लोन लेने वाले ग्राहकों को अपनी जरूरत के हिसाब से बीमा की अलग-अलग सुविधाएँ मिल सकेंगी.

ग्राहकों को सही जानकारी देने, पॉलिसी से जुड़ी मदद करने और उनकी हर जरूरत में साथ देने के लिए टाटा एआईजी की टीम प्रमुख बैंक शाखाओं में भी मौजूद रहेगी. इस साझेदारी के बारे में बोलते हुए, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के हेड- रिटेल लाइबिलिटी, टीएएससी और टीपीपी, हितेंद्र झा ने कहा, हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारे ग्राहकों का भरोसा है. अलग-अलग वर्गों के लोगों के साथ हमने वर्षों में यह भरोसा बनाया है. इस साझेदारी से उज्जीवन के मजबूत बैंक नेटवर्क और टाटा एआईजी के बीमा अनुभव का फायदा ग्राहकों को मिलेगा. इससे अच्छी बीमा सेवाएँ ज्यादा लोगों तक आसानी से पहुँचेंगी. हमारा प्रयास है कि ग्राहकों को बैंकिंग के साथ ही उनकी जरूरत के मुताबिक आसान और भरोसेमंद बीमा सुविधाएँ भी मिलें.

सरकार एलआईसी में और हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली, 05 अगस्त. भारतीय जीवन बीमा निगम में सरकार की ऑफर फॉर सेल को संस्थागत निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है. सरकार के आधार (बेस) इश्यू के मुकाबले यह निर्गम 3.32 गुना सब्सक्राइब हुआ, जिसके बाद सरकार ने अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचने के लिए ग्रीन-शू विकल्प का उपयोग करने का निर्णय लिया है.

निवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव अरुणीश चावला ने मंगलवार को बताया कि संस्थागत निवेशकों की ओर से मिली मजबूत प्रतिक्रिया भारतीय पूंजी बाजार में निवेशकों के भरोसे और बाजार की गहराई को दर्शाती है. उन्होंने खुदरा निवेशकों से भी बुधवार को खुलने वाले ओएफएस में भाग लेने की अपील की.

सरकार ने मंगलवार को गैर-खुदरा निवेशकों के लिए ओएफएस खोला, जबकि खुदरा निवेशक बुधवार को बोली लगा सकेंगे. एलआईसी में 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रही है. इसके साथ 4 प्रतिशत का ग्रीन-शू विकल्प भी रखा गया है, जिससे कुल हिस्सेदारी बिक्री 6.5 प्रतिशत तक बढ़ सकती है.

मप्र-छगमें रिलायंस जियो के ब्रॉडबैंड ग्राहक 21 लाख के पार

- जियोहोम ने पेश किए टीवी-ओनली और नए किफायती वाई-फाई कॉम्बो पैक
- जून 2026 में सबसे अधिक नए ग्राहक जोड़ने के साथ जियो सबसे आगे :ट्राय

भोपाल-रायपुरः मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ टेलीकॉम सर्किल में रिलायंस जियो ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जियो के ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या 21 लाख के पार पहुंच गई है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण की जून 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, मप्र-छग सर्किल में जियोफाइबर और एफडब्ल्यूए आधारित जियो एयरफाइबर सेवाओं से 46 हजार से अधिक नए ब्रॉडबैंड ग्राहक जुड़े हैं। इसी अवधि में एयरटेल के करीब 14 हजार नए ब्रॉडबैंड ग्राहक जुड़े। रिपोर्ट के अनुसार, मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में सभी टेलीकॉम कंपनियों के कुल ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या 35 लाख से अधिक हो चुकी है। इनमें अकेले जियो के ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या 21 लाख से ज्यादा है। वहीं, मोबाइल सेवाओं में भी जियो का मजबूत प्रदर्शन जारी है और कंपनी के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 5.05 करोड़ से अधिक हो चुकी है।

इस उपलब्धि के साथ जियोहोम ने डिजिटल मनोरंजन और हाई-स्पीड इंटरनेट को हर घर तक पहुंचाने के लिए नए और बेहद किफायती सर्विस पैक पेश किए हैं। कंपनी ने विशेष रूप से टीवी मनोरंजन पसंद करने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए 'टीवी-ओनली' पैक लॉन्च किया है। 'टीवी-ओनली' पैक के तहत ग्राहक प्रभावी रूप से मात्र 400 रुपये प्रति माह की लागत पर टीवी मनोरंजन का लाभ ले सकते हैं।

'वाई-फाई-ओनली' पैक

इसी तरह, केवल इंटरनेट की सुविधा चाहने वाले ग्राहकों के लिए 'वाई-फाई-ओनली' पैक भी उपलब्ध हैं। 30 स्द्बश्चह्य स्पीड वाला पैक 2,200 रुपये में 5 महीने के लिए उपलब्ध है, जिसकी प्रभावी मासिक लागत 450 रुपये प्रति माह है। वहीं, 100 स्द्बश्चह्य स्पीड वाला पैक 3,000 रुपये में 5 महीने के लिए उपलब्ध है, जिसकी प्रभावी मासिक लागत 600 रुपये प्रति माह है। ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जियोहोम ने ऑल-इन-वन विकल्प भी उपलब्ध कराए हैं। 3-इन-1 कॉम्बो पैक में 30 स्द्बश्चह्य की इंटरनेट स्पीड, 1,000 लाइव टीवी चैनल और 12 ह्रञ्जञ्ज ऐप्स की सुविधा उपलब्ध है। यह पैक 2,222 रुपये में 4 महीने के लिए लिया जा सकता है, जिसकी प्रभावी मासिक लागत 555 रुपये प्रति माह है।

10 साल में मिल सकती है 100 साल की प्रगति

एआई बदल सकता है विकासशील देशों की तस्वीर

नई दिल्ली, 05 अगस्त. एआई विकासशील देशों को वह आर्थिक और सामाजिक प्रगति एक दशक में हासिल करने का अवसर दे सकती है, जिसे सामान्य परिस्थितियों में पूरा करने में एक सदी तक का समय लग सकता है.

हालांकि, इसके लिए सरकारों को बिजली, इंटरनेट कनेक्टिविटी, कौशल विकास और संस्थागत क्षमता से जुड़ी कमियों को तेजी से दूर करना होगा. यह बात विश्व बैंक की 'वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2026ञ्ज द प्रॉमिस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' में कही गई है. रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन दशकों के सबसे कमजोर आर्थिक वृद्धि दौर से गुजर रहे विकासशील देशों के लिए एआई आर्थिक विकास को गति देने और सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार का बड़ा अवसर बन सकता है. विश्व बैंक का अनुमान है कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में केवल 4.5 प्रतिशत नौकरियां ही जनरेटिव एआई के कारण स्वचालन के जोखिम में हैं.

रिपोर्ट में कहा गया है कि विकासशील देशों में एआई का सबसे बड़ा लाभ कर्मचारियों की जगह लेने के बजाय उनकी क्षमता बढ़ाने में है. विश्व बैंक समूह के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य अर्थशास्त्री इंदरमित गिल ने कहा कि एआई विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर लेकर आया है और उन्हें इसका पूरा लाभ उठाना चाहिए. उन्होंने कहा कि इन देशों को एआई से लाभ उठाने के लिए बड़े डेटा सेंटर या अत्याधुनिक,द्ब मॉडल की आवश्यकता नहीं है. स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकसित किफायती एआई समाधान स्वास्थ्य, शिक्षा, न्यायिक सेवाओं और कृषि जैसे क्षेत्रों में लाखों लोगों तक बेहतर सेवाएं पहुंचा सकते हैं.

एसबीआईकैप सिक्योरिटीज ने निवेशकों को किया सशक्त

भोपाल, अगस्त. भारतीय स्टेट बैंक की समूह कंपनी एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड ने सफलतापूर्वक एक निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य ट्रेडर्स और निवेशकों को आज के गतिशील वित्तीय बाजारों में बेहतर ढंग से निवेश करने के लिए व्यावहारिक ज्ञान और प्रभावी रणनीतियों से सुसज्जित करना रहा.

इस पहल के माध्यम से कंपनी ने वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने तथा निवेशकों को सूचित एवं विवेकपूर्ण निवेश निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को पुन: दोहराया. कार्यक्रम की शुरुआत वैश्विक व्यापक आर्थिक (मैक्रोइकोनॉमिक) परिदृश्य की विस्तृत जानकारी से हुई, जिसमें डॉलर इंडेक्स और बॉन्ड यील्ड जैसे प्रमुख संकेतकों पर चर्चा की गई. इसके बाद घरेलू बाज़ार के दृष्टिकोण का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया.

प्रतिभागियों को लगातार बाज़ार की जानकारी प्राप्त करने, अनुशासित निवेश दृष्टिकोण अपनाने तथा बाज़ार में उतार-चढ़ाव के दौरान आवेगपूर्ण निर्णय लेने से बचने की सलाह दी गई. कंपनी की रिसर्च टीम ने मध्यम से दीर्घकालिक अवधि में बेहतर प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों (सेक्टर्स) पर अपने विचार साझा किए और इक्विटी निवेश के माध्यम से स्थायी संपत्ति सृजन के अवसरों पर प्रकाश डाला. सत्र के दौरान उन प्रमुख घरेलू और वैश्विक जोखिम कारकों पर भी चर्चा की गई, जो बाज़ार के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं, साथ ही इन जोखिमों को कम करने के लिए व्यावहारिक पोर्टफोलियो प्रबंधन रणनीतियाँ भी बताई गईं.

इस पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, एसबीआईकैप सिक्योरिटीज़ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री बलदेव प्रकाश ने कहा, एक जागरूक निवेशक अनिश्चित परिस्थितियों का बेहतर ढंग से सामना कर सकता है और अपने दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निर्णय लेने में अधिक सक्षम होता है. इस प्रकार की पहलों के माध्यम से हमारा उद्देश्य बाज़ार की जटिल अवधारणाओं को सरल बनाना, अनुशासित निवेश को प्रोत्साहित करना तथा निवेशकों को ऐसी व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना है,

टेक्नो-फंडामेंटल दृष्टिकोण पर जोर देते हुए वक्ताओं ने समझाया कि निवेशक किस प्रकार मजबूत बुनियादी आधार वाले सेक्टर्स और शेयर्स की पहचान कर सकते हैं तथा अपेक्षाकृत कमजोर निवेश अवसरों से बच सकते हैं. उन्होंने ई-मार्जिन सुविधा जैसे निवेश साधनों के अनुशासित उपयोग का प्रदर्शन भी किया और एफआईआई की भागीदारी,

बढ़त के साथ बंद हुए शेयर बाजार सेंसेक्स 152 अंक चढ़ा

मुंबई, 05 अगस्त. विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को उतार-चढ़ाव देखा गया और बीएसई का सेंसेक्स 152.05 अंक (0.19 प्रतिशत) चढ़कर 78,581 अंक पर पहुंच गया.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 9.75 अंक यानी 0.04 प्रतिशत ऊपर 24,624.65 अंक पर बंद हुआ. पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों सूचकांकों में गिरावट रही थी. अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता की उम्मीद में आज सभी प्रमुख एशियाई बाजारों में तेजी देखी गयी. जापान का निक्केई साढ़े तीन प्रतिशत से उछल गया. वृहत बाजार में भी तेजी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.01 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.76 प्रतिशत की बढ़त में रहा. निफ्टी धातु सूचकांक 1.72 फीसदी और ऑटो सूचकांक 1.27 फीसदी चढ़ गया. रियल्टी और सार्वजनिक बैंकों के सूचकांक भी हरे निशान में रहे.

मीडिया, एफएमसीजी और निजी बैंकों के सूचकांकों में गिरावट रही. सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर दो प्रतिशत के करीब मजबूत हुआ. एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा,इंडिगो, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट और एलएंडटी के शेयर एक से दो प्रतिशत तक की बढ़त में रहे.

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस अब बनी मैप्स

- 6 दशक पुरानी एजेंसी का नया ब्रांड मैप्स
- भरोसा वही, नई पहचान के साथ आया मैप्स
- रीब्रांडिंग के साथ नए दौर में कदम रखता मैप्स

Maheshwari Publicity Service

360° Brand Routes

रायपुर, 31 जुलाई. मध्य भारत की प्रतिष्ठित और आईएनएस मान्यता प्राप्त विज्ञापन एजेंसी माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस ने बदलते बाजार, नई तकनीकों और डिजिटल युग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अपनी नई ब्रांड पहचान %मैप्स% के रूप में पेश की है.

वर्ष 1964 से विज्ञापन और ब्रांडिंग के क्षेत्र में सक्रिय एजेंसी ने इस बदलाव को केवल नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप की गई एक स्ट्रेटेजिक रीब्रांडिंग बताया है. एजेंसी के डायरेक्टर्स प्रकाश माहेश्वरी और पंकज माहेश्वरी ने बताया कि आज का उपभोक्ता तेज, सरल और प्रभावशाली कम्युनिकेशन चाहता है.

ऐसे में मैप्स नाम ब्रांड्स को सही दिशा और सही मंजिल तक पहुंचाने की एजेंसी की नई सोच का प्रतीक है. जिस प्रकार एक नक्शा अनजान रास्तों में सही मार्ग दिखाता है, उसी तरह मैप्स भी ब्रांड्स को बाजार की प्रतिस्पर्धा से निकालकर उनके लक्षित ग्राहकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का काम करेगा.

नई ब्रांडिंग में शामिल कोलन भी विशेष महत्व रखता है. एजेंसी के अनुसार यह केवल डिजाइन एलिमेंट नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि कहानी अभी जारी है. यह एजेंसी की विस्तृत सेवाओं और निरंतर नवाचार की सोच को दर्शाता है. अब मैप्स केवल पारंपरिक विज्ञापन एजेंसी नहीं रहेगा, बल्कि ब्रांड कंसल्टेंसी, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और एआई आधारित कम्युनिकेशन रणनीतियों सहित 360 डिग्री ब्रांडिंग समाधान उपलब्ध कराएगा.

एजेंसी का क्या कहना...

एजेंसी का कहना है कि आज विज्ञापन केवल अखबार, रेडियो, टीवी और होर्डिंग तक सीमित नहीं है. उपभोक्ता अब स्मार्टफोन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सबसे अधिक सक्रिय है. इसलिए मैप्स का लक्ष्य पारंपरिक मीडिया की मजबूती को डिजिटल तकनीक के साथ जोड़ते हुए ब्रांड्स को उनके टारगेट ऑडियंस तक सबसे प्रभावी तरीके से पहुंचाना है. रिसर्च आधारित मार्केटिंग रणनीति, डेटा एनालिटिक्स और उपभोक्ता व्यवहार की गहन समझ के आधार पर एजेंसी प्रत्येक क्लाइंट के लिए अलग और परिणाम-केंद्रित कम्युनिकेशन प्लान तैयार करेगी.

उपलब्धि | **सामाख्याली-भचाऊ नई रेल लाइन का सीआरएस लिया जायजा**

चौहरीकरण परियोजना को मिली नई रफ्तार, निरीक्षण शुरू

अहमदाबाद, 5 अगस्त. पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में सामाख्याली-भचाऊ चौहरीकरण परियोजना के अंतर्गत नव-निर्मित तीसरी एवं चौथी रेल लाइन पर यात्री रेल सेवाएं प्रारंभ किए जाने से पूर्व रेल संरक्षा आयुक्त (पश्चिम सर्कल) श्री ई. श्रीनिवास द्वारा आज विस्तृत संरक्षा निरीक्षण का प्रथम चरण सामाख्याली रेलवे स्टेशन से प्रारंभ किया गया.

इस अवसर पर अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री प्रदीप गुप्ता सहित निर्माण एवं ओपन लाइन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. निरीक्षण के प्रथम दिन रेल संरक्षा आयुक्त ने प्रस्तावित डाउन मेन-2 लाइन पर सामाख्याली से भचाऊ के मध्य लगभग 16.40 किलोमीटर लंबे रेलखंड का मोटर ट्रॉली द्वारा विस्तृत संरक्षा निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान नई रेल लाइन की गुणवत्ता, ट्रैक ज्योमेट्री, रेल वेल्डिंग, लेवल क्रॉसिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली, ओवरहेड विद्युत उपकरण , रेल संरक्षा मानकों तथा परिचालन संबंधी व्यवस्थाओं का सूक्ष्म परीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा आयुक्त ने सामाख्याली रेलवे स्टेशन के यार्ड, परिचालन व्यवस्था, सिग्नलिंग प्रणाली, इंटरलॉकिंग, पॉइंट मशीनों तथा स्टेशन पर उपलब्ध विभिन्न संरक्षा उपकरणों का गहन निरीक्षण किया. इसके उपरांत कर्व संख्या 63क्र, समपार फाटक (लेवल क्रॉसिंग) संख्या 202, 203, 205 एवं 206 तथा ब्रिज संख्या 254, 261 एवं 261ए का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया. साथ ही, वोंध रेलवे स्टेशन का भी विस्तृत निरीक्षण किया गया, जहां स्टेशन की परिचालन क्षमता, यार्ड विन्यास, सिग्नलिंग व्यवस्था, यात्री सुविधाओं एवं संरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.

समपार फाटक पर मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश ने स्थानीय नागरिकों से संवाद भी किया. स्थानीय नागरिकों ने समपार फाटक बंद रहने के दौरान होने वाली असुविधाओं, लंबे समय तक प्रतीक्षा करने अथवा वैकल्पिक मार्ग से होकर आवागमन करने की समस्या से अवगत कराया. इस पर मंडल रेल प्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को जनहित को ध्यान में रखते हुए समस्या के त्वरित एवं व्यवहारिक समाधान हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए. निरीक्षण के आगामी चरण में कल दिनांक 06 अगस्त, 2026 को विद्युत इंजन के साथ 120 किमी/घंटा की गति से स्पीड ट्रायल किया जाएगा.